संस्थापक–सम्पादक
यशदेव शल्य

सम्पादक
अम्बिकादत्त शर्मा
प्रदीप कुमार खरे

उन्मीलन

मानसिक हिन्द स्वराज का वैतालिक
दार्शनिक षाण्मासिक

वर्ष 37, अंक 2
जुलाई-दिसम्बर, 2023

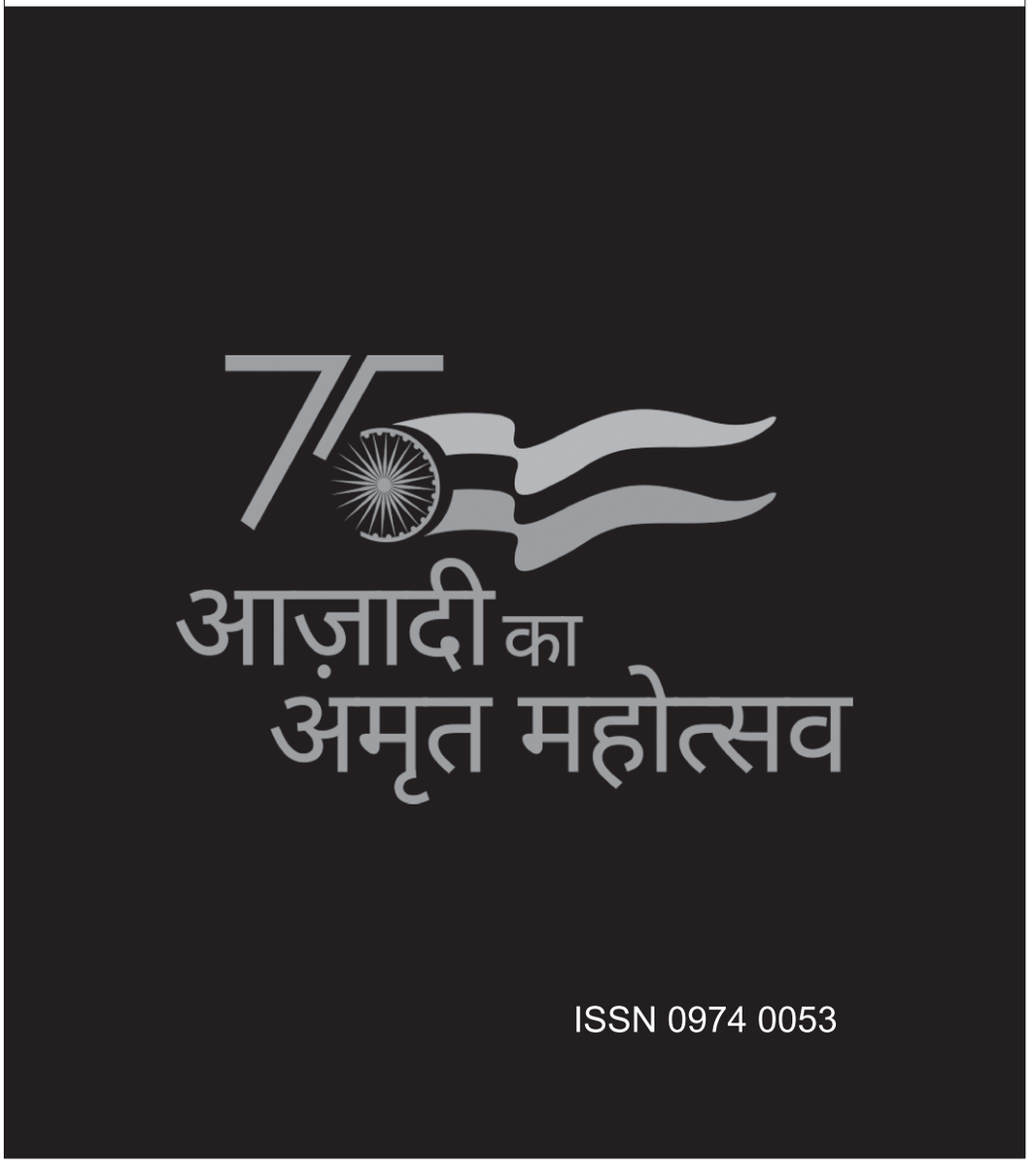

ISSN 0974 0053

वर्ष 37, अंक 2 जुलाई–दिसम्बर, 2023

उन्मीलन

मानसिक हिन्दस्वराज का वैतालिक
दार्शनिक षाण्मासिक

संस्थापक–सम्पादक
यशदेव शल्य

सम्पादक
अम्बिकादत्त शर्मा
प्रदीप कुमार खरे

दर्शन प्रतिष्ठान
जयपुर

परामर्शदाता

1. **रामजी सिंह,** 104, सन्याल इन्क्लेव, बुद्धमार्ग, पटना–800001
2. **अशोक वाजपेयी,** सी–60, अनुपम को–ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी, वसुन्धरा एन्क्लेव, दिल्ली–110096
3. **रमेशचन्द्र शाह,** एम. 4, निराला नगर, भदभदा रोड, भोपाल–462003
4. **अशोक वोहरा**, सी–748, विकासपुरी, नई दिल्ली–110018

संस्थापक-सम्पादक

यशदेव शल्य

सम्पादक

1. **अम्बिकादत्त शर्मा,** सी.–37, गौर नगर, विश्वविद्यालय परिसर, सागर–470003 दूरभाष 07582–293668 मो. 09406519498
2. **प्रदीप कुमार खरे,** आर.बी. 72, इण्डस गार्डन, गुलमोहर, भोपाल–462039, दूरभाष 0755–2427461, मो. 09425029308

ISSN 0974 0053
UNMEELAN (Refereed Journal), U.G.C. Care List : Arts & Humanities, Sl.No. 310

वार्षिक शुल्क	आजीवन शुल्क
व्यक्तिगत : रु. 200/–	व्यक्तिगत : रु. 5000/–
संस्थाएं : रु. 500/–	संस्थाएं : रु. 10000/–

आजीवन/वार्षिक सदस्यता हेतु राशि ''प्रधान–सम्पादक – उन्मीलन'' के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट (सागर, म.प्र. पर देय) निम्न पते पर भेजें – अम्बिकादत्त शर्मा, दर्शन विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर–470003 (म.प्र.)

कमलनयन एवं अम्बिकादत्त शर्मा द्वारा **दर्शन प्रतिष्ठान**, पी–51 मधुवन पश्चिम, किसान मार्ग, जयपुर–302015 के लिए प्रकाशित।

अनुक्रमणिका

1. शिक्षा में 'स्व' केंद्रित बदलाव की अपरिहार्यता 5
गिरीश्वर मिश्र

2. भारतीय चित्त, मानस और काल : वैश्विक एवं वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य 13
बृजेन्द्र पाण्डेय

3. प्रोफेसर टी.आर.वी. मूर्ति : अद्वय और अद्वैतवादी तत्त्वमीमांसा के विश्वतोमुख प्रतिष्ठापक 52
संजय कुमार शुक्ल

4. ध्यान की अपारंपरिक अवधारणा : जिद्दू कृष्णमूर्ति की दृष्टि 75
प्रियव्रत शुक्ल

5. वैश्विक संकट और गांधीय विकल्प की प्रासंगिकता 88
कमलनयन, रामनारायण मिश्र

6. अहिंसा की श्रामण्य दृष्टि और गाँधी 111
राजवीर सिंह शेखावत

लाठ सर्वोदय ग्रंथमाला

1.	संगीत और चिन्तन	–	मुकुंद लाठ	100.00
	(शंकर पुरस्कार से सम्मानित)			
2.	धर्म–संकट	–	मुकुंद लाठ	200.00
3.	कर्म–चेतना के आयाम	–	मुकुंद लाठ	250.00
4.	क्या है?क्या नहीं है?	–	मुकुंद लाठ	150.00
5.	मूल्यतत्त्व–मीमांसा	–	यशदेव शल्य	200.00
	(शंकर, मंगलाप्रसाद तथा मूर्त्तिदेवी पुरस्कारों से सम्मानित)			
6.	चिद्विमर्श	–	यशदेव शल्य	175.00
7.	तत्त्व–चिन्तन	–	यशदेव शल्य	200.00
8.	चित् की आत्म–गवेषणा	–	यशदेव शल्य	250.00
9.	काव्य–विमर्श	–	यशदेव शल्य	250.00
10.	मुख्य भारतीय तथा पाश्चात्य	–	यशदेव शल्य	150.00
	दर्शन–धाराएं		भगवती	

11. यशदेव शल्य की सभी मौलिक कृतियों का संग्रह अब 'यशदेव शल्य समग्र' शीर्षक से चार खण्डों में उपलब्ध है। प्रत्येक खण्ड का मूल्य 1,600/- तथा चारों खण्डों का मूल्य 6,400/- है। प्रकाशक :- डी.के. प्रिण्टवर्ल्ड (प्रा.) लि., वेदश्री, एफ- 395, सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली-110015, दूरभाष 011-25453975